



21/2/92

आरत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

म 338]

नई विल्सो, बुधवार, सितम्बर 18, 1991/बाद 27, 1913

No. 338] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 18, 1991/BHADRA 27, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है पिससे कि यह छालग संफलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल पारिवहन संचालन
(उत्तम कक्ष)

प्रधिमूलना

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1991

सा.का.नि. 593 (प्र) - केन्द्र सरकार, महाप्रस्तर न्यास प्रधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पन्द्रह धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मुख्य पलन न्यासी मंडल द्वारा बताए गए और इस प्रधिमूलना के साथ संलग्न भ्रन्तुमूली में दिये गये मुख्य प्रस्तर न्यास कर्मचारियों का शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति और शिक्षा भ्रता प्रदान के नियम (संशोधित) 1991 का भ्रन्तुमूलन करती है।

2. उक्त विनियम इस प्रधिमूलना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदृश्य होगी।

[का.सं. पी. आर-12015/4/91-पी.ई. I]

अधिक जोगो, संयुक्त संविध

भ्रन्तुमूली

भाग-1 शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति में संवधित नियम वर्तमान नियम संख्यां 1, 4 से 7, 15, 16 और 17 को निकालकर उसके स्थान पर निम्न रखा दें।

नियम संख्या विवरण

1 इन नियमों को शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति नियम 1991 (संशोधित) कहा जाये।

4 उपराक्त नियम संख्या 2 में वरायि कर्मचारियों को छोड़कर सभी मुख्य पांट द्रस्ट कर्मचारी उनकी वेतन सीमा त देखते हुये उपरोक्त भ्रन्तुमूलन के लिये पाल रहेंगे।

5 यहां पनि पली दोनों पांट द्रस्ट में नौकरी कर रहे होंतो किसी एक को ही यह भ्रन्तुमूलन प्राप्त होगा। यदि किना कर्मचारा को पली को उसके नियोक्ता, से बच्चों का शिक्षा संबंधी कुछ मदद मिलती हो तो कर्मचारी को तब भ्रन्तुमूलप कम राशि प्राप्त होगा। मू.पी.ट. को शिक्षा भ्रतों का योजना के अन्तर्गत जो कर्मचारी भ्रन्तुमूलन प्राप्त कर रहे हों उन्हें उन्हीं बच्चा/बच्चे के लिए शिक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति की सुविधा प्राप्त नहीं होगी।

6 कर्मचारी द्वारा वास्तविक रूप में अपने बच्चों के लिए जो शिक्षा शुल्क भरी गयी हो उन्हें निम्न लिखित सीम के तक प्रतिपूर्ति प्राप्त होगी ।

कक्षा 1 से 7 तक 20 रुपये प्रति माह प्रति शिशु कक्षा 11 और 12 25 रुपये प्रति माह प्रति शिशु शारीरिक और मानसिक विकासांग बच्चों के लिये सीमा प्रतिमाह 50 रुपये की होगी ।

शिक्षा शुल्क में निम्न शामिल है ।

(म) विकास शुल्क या प्रयोगशाला शुल्क (यदि विकास शुल्क अलग से न ली जाये तब)

(ब) कृषि के अयन किया हुआ अतिविविध विषय भानकर विशेष शुल्क लिया जाये ।

(क) संचार और विषय जिसे नियमित प्रथमक्रम का एक अंग समझकर मिलाया जाये या ऐसा कोई विषय जिसमें सर्किय रूप से कार्य करना पड़ता हो उसके लिए लिया गया शुल्क

शिक्षा शुल्क में निम्न शामिल नहीं है ।

(म) गृहविज्ञान विधि प्रभा ।

(ब) पुस्तकालय शुल्क

(क) खेल कूद शुल्क

(ड) प्रवेश शुल्क तथा

(ई) अन्य प्रतियोगिता विद्यालय शुल्क ।

विज्ञान के विद्यार्थी को लगाये शुल्क अन्य विषयों के विद्यार्थी के शुल्क से ज्यादा होता है लेकिन यदि उसे अक्षय में लगायी जाने तो उसके प्रतिपूर्ति नहीं की जायेगी ।

पॉलिटेक्निक और यूनिवर्सिटी

यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित कॉलेज द्वारा निश्चित की शिक्षा शुल्क या निम्न बच्चों के लिए यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेजों की शिक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति की जायेगी लेकिन संस्कारी कॉलेजों द्वारा निम्न पदाचार बच्चों के लिये निश्चित दरों में कुछ रोक लगायी जायेगी ।

(म) प्री-यूनिवर्सिटी

(ब) इस्टर्नर्सीटीयेंट कॉलेज का प्रथम वर्ष बच्चे

(क) तकनीकी कॉलेज का प्रथम वर्ष बच्चे

(ड) पॉलिटेक्निक का प्रथम वर्ष बच्चे

(ई) पक्षाचार पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष बच्चे

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

जहां शिक्षा के संशोधित ढंगे (पॉर्टर्स) के अंतर्गत पॉलिटेक्निक के पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनुत्तम शैक्षणिक योग्यता दर्शकी कक्षा है, पॉलिटेक्निक के द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम और द्वितीय वर्ष में अन्याय कर रहे विद्यार्थी को शिक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति देय होती ।

विकासांग बच्चों के लिए विशेष प्रबंध

शारीरिक और मानसिक विकासांग बच्चों के लिए शिक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाएगी, बच्चों कि जो संस्था में बच्चा शिक्षा प्राप्त कर रहा है, वह संस्था केंद्र सरकार, राज्य सरकार या केंद्र शामिल प्रवेश की सरकार द्वारा, मान्यता/अनुमोदित/सहायता प्राप्त हो । यदि उपरोक्त संस्था मान्यता/प्राप्त हो लेखित उसके द्वारा लगायी गयी शुल्क संस्कारी मान्यता/प्राप्त नहीं है तो शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति की अनुत्तम राशि 50 रुपये सक भिन्नेगी ।

टिप्पणी : उपरोक्त सुविधा उसे कर्मचारी के सिंग दो बच्चों को ही एक साथ बार ही प्राप्त होगी ।

नियम संलेखन

विवरण

7 जिन बच्चों की आयु 5 से 20 वर्ष के बीच में होंगे सिंग उन्हें ही उपरोक्त सुविधा प्राप्त होगी । यदि कोई बच्चा 20 वर्ष को उपरोक्त सुविधाके सब के मध्य में ही पूर्ण कर लेता है तो उपरोक्त सहाय शैक्षणिक सद्य पूर्ण होने तक मिलनी रहेगी ।

15 कर्मचारी की शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति निर्धारित प्रपत्र द्वारा कर्ती चाहिए जो इन नियमों के साथ लगाये गये अनुलग्नक में वर्णिया गया है, कर्मचारी वर्ष में दो बार जुलाई और जनवरी में उपरोक्त सुविधा ले सकता है ।

16 प्रारंभिक स्वीकृति के समय स्कूल द्वारा दो गये रोकड़ रसीद या यदि शिक्षा शुल्क बैक द्वारा भरी गयी हो तो यह जमा वाउचर का प्रतिपत्रक कर्मचारी द्वारा सबूत के रूप में पर्याप्त होगा । लेकिन तदनंतर कर्मचारी ने उस राशि भरने की दी हुई धोखाएं ही स्वीकृति के लिये पर्याप्त मात्रा जायेगी । कर्मचारी को धपना/धपने बज्जा/बज्जे मान्यता प्राप्त स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और उनकी शिक्षा शुल्क वास्तविक रूप में भरी जा रही है यह प्रमाणित करना चाहिए ।

17 उपरोक्त सम्पादन करने की पद्धति और बाबों के मुग्जतान प्रावित वित्तीय मालाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा निर्धारित की जायेगी ।

भाग-2 : शिशु शिक्षा भले की मंजूरी के नियम

वर्तमान नियम संख्या 1 से 4, 6, 8, 10 और 20 का निकालकर उसके स्थान पर निम्न नियमों को डाला जाये ।

नियम संख्या

विवरण

1 इन नियमों को शिशु शिक्षा भले (संणोधित) 1991 को मजूरी समझा जाये । वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि में साथ माने जायेंगे ।

2 अनियन्त्रित, अंशकालिक और प्रत्युष्म वर्ष कर्मचारी और प्रशिक्षित को छोड़कर स्थापी और प्रस्थाया कर्मचारा जिनका अधिकार में तीन वर्ष से कम नहीं वे सभी निम्न शर्तों के प्रवान उपरोक्त भले प्राप्त करने योग्य हैं ।

3 उपरोक्त नियम-2 में वर्णिये कर्मचारियों को छोड़कर सभी सु. पी.ट्र. कर्मचारी जिनका वेतन कुछ भी हो शा स्कूल सुविधा को प्राप्त करने योग्य है ।

4 ये कर्मचारी जो नौकरी में हो या निलंबित किये गये हो या छूट्टी पर हों या वार्षिक नियुक्ति का वय तक पहुंचने के लिए नियुक्ति पूर्व छूट्टी पर हों तो भी उन सभी कर्मचारियों को उपरोक्त भले के लिये पात्र रहेंगे । लेकिन मूल, निश्चित या सेवा-मुक्त और नियम 7 में वर्णिये कर्मचारियों को उपरोक्त भल्ता प्राप्त नहीं होगा ।

7 यदि पति पत्नि दोनों मुखई पोट ट्रस्ट में सेवान्त हों तो किसी एक को ही उपरोक्त भल्ता देय होगा ।

8 कक्षा 1 से 12 तक प्रथम शिशु को 50 रुपये प्रतिमाह के दूर से उपरोक्त भल्ता देय होगा ।

टिप्पणी : कर्मचारियों को ये भल्ता एक साथ एक बार केवल दो बच्चों के बारे में ही मिल सकता है ।

10 जिन बच्चों की आयु 5 से 20 वर्ष के बीच में होनी सिंग उन्हीं दो यह भल्ता प्राप्त होगा, लेकिन जो बच्चा अपनों शैक्षणिक भल्ते के मध्य में ही 20 वर्ष पूर्ण कर लेता है तो उन्हें शैक्षणिक मूल पूर्ण करने तक उस भल्ता देय होगा ।

20 उपरोक्त के मदर्स में दाया प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के अधीन और वित्तीय मालाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा निर्धारित किये गये विनामान्सार ही भल्ता देय होगा ।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(Ports Wing)
NOTIFICATION

New Delhi, the 18th September, 1991

G.S.R. 593(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Bombay Port Trust Employees Rules for Reimbursement of Tuition Fees Allowances (Amendment), 1991 made by the Board and Rules for the grant of Children's Education of Trustees of the Port of Bombay and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication in the official gazette.

[No. PR-12015/4/91-PE.I]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

SCHEDULE

Part I—Rules relating to Reimbursement of Tuition Fees

Delete existing Rules Nos 1, 4 to 7, 16 and 17 and substitute the following therefor.

RULE NO. Description

1. These Rules may be called the Rules for Reimbursement of Tuition Fees (Amendment) 1991.
4. All BPT employees except as indicated in Rule No. 2 above without any pay limit are eligible for the concession.
5. Where both husband and wife are in Port Trust service, the concession shall be admissible only to one of them. If an employee's spouse employed elsewhere is entitled to any assistance from the employer in respect of their children's education, the concession to the employee shall be correspondingly reduced. An employee in receipt of Children's Educational Allowance under the Bombay Port Trust Scheme shall not be entitled to reimbursement of tuition fees in respect of the same child/children.
6. Tuition fees limited to the fees actually paid by the employees on behalf of their children will be reimbursed subject to the following limits :

Class I to X —Rs. 20 per cent per child
Class XI and XII —Rs. 25 per month per child

For Physically Handicapped and mentally retarded children the amount will be Rs. 50 per mensem per child.

Tuition fees include—

- (a) Science fee or laboratory fee in case science fee is not separately charged;
- (b) Special fee charged for agriculture as an elective additional subject;
- (c) Any fee charged for subjects like music which are taught as a part of the regular curriculum or subject requiring practical work under the programme of work experience.

Tuition fees do not include—

- (a) Domestic science fund charges;
- (b) Library fee;
- (c) Games fee;
- (d) Admission fee; and
- (e) Extra curricular activity fees.

If tuition fees charges for a science student is higher than that charged for a non-science student, science fee, though separately charged, shall not be reimbursed.

Polytechnic and University :

The tuition fees charged by a college run by a University or affiliated to University for the following classes will be reimbursed but reimbursement will be restricted to the rates prescribed by Govt. Colleges for corresponding classes :

- (a) Pre-University;
- (b) First year class of an Intermediate Colleges;
- (c) First year class of a Technical College;
- (d) First year class of a Polytechnics;
- (e) First class of a correspondence course.

Two year diploma course—

The reimbursement of tuition fees will be admissible for the 1st and 2nd year classes of a two year diploma course in Polytechnics in cases where the minimum qualification for admission to the course is X Standard of the revised pattern of education.

Special provision for handicapped children —

In the case of Physically Handicapped and mentally retarded children, tuition fees will be reimbursed if the institution in which the child is studying is one which is recognised or approved or aided by the Central or State Government or Union Territory Administration. If the institution is approved/recognised/aided but the fees charged are not approved by the Government, the fee reimbuseable will be subject to a maximum of Rs. 50 p.m.

Note : The concession will be admissible to an employee in respect of not more than two children at any time.

7 Admissible only in respect of children between the age limits of 5 and 20 years. If child completes 20 years half way

through the academic session the allowance is admissible till the end of the academic session.

- 15 Employee should claim the reimbursement in the prescribed form, shown in the Annexure to these Rules, twice in a year, i.e., in the months of July and January every year.
- 16 At the time of accepting initial claim, production of the cash receipt given by the School or counterfoil of the Bank Credit Voucher, if the tuition fee is paid through Bank, by the employee as proof of having actually paid the *tuition* fee, will be sufficient. For subsequent occasions, a declaration from the employee to the effect that he|she continues to incur the expenditure of tuition fee, etc. should be accepted. The employee may also be asked to certify that his|her child|children is|are actually studying in the recognised school and that he|she is actually incurring expenditure on tuition fee.
- 17 The procedure for the verification and payment of claims shall be such as may be prescribed by the Financial Adviser & Chief Accounts Officer.

Part II—Rules for the grant of Children's Educational Allowance

Delete existing Rules Nos. 1 to 4, 6, 8, 10 and 20 and substitute the following therefor.

Rule No.	Description
----------	-------------

1 These Rules may be called the Rules for the grant of Children's Educational Allowance (Amendment) 1991. They shall

come into force from the date of publication in the Official Gazette.

- 2 All permanent employees and temporary employees having not less than three years continuous service other than casual, part time and contract employees and apprentices shall be eligible for the allowance subject to the condition specified in the following Rules.
- 3 All BPT employees except as indicated in Rule No. 2 above without any pay limit are eligible for this concession.
- 4 The allowance shall be payable to an employee on duty, under suspension or on leave, including leave preparatory to retirement taken prior to attaining the age of superannuation. The allowance shall not be admissible in the case of a deceased, retired or discharged employee except as provided in Rule 7 below.
- 7 Where both husband and wife are employed in the Bombay Port Trust, the allowance shall be admissible only to one of them.
- 8 The allowance shall be payable at a rate of Rs. 50 p.m. per child for classes I to XII.

Note : The concession will be admissible to an employee in respect of not more than two children at any time.

- 10 The allowance shall be payable only in respect of children between the age limits of 5 and 20 years. If a child completes 20 years half way through the academic session, the allowance is admissible till the end of the academic session.
- 20 Subject to production of the claim certificate referred to above, the allowance shall be paid according to such procedure as may be prescribed by the Financial Adviser & Chief Accounts Officer for the purpose.